दो भूमाफियाओं पर सितम, बाकी पर करम, एसडीएम साहब ये ठीक नहीं...

शुजालपुर एसडीएम के खिलाफ मुख्यमंत्री और ईओडब्ल्यू में शिकायत दर्ज कराई

शाजापुर, 26 जुलाई. एक तरफ भूमाफियाओं और अवैध कॉलोनियों के खिलाफ कार्यवाही का ढिंढोरा पीटा जाता है. दूसरी तरफ अवैध कॉलोनी और भूमाफियाओं से वसूली के इस गोरखधंधे का आरोप शुजालपुर एसडीएम पर लगाया गया है, जिसकी शिकायत ईओडब्ल्यू और मुख्यमंत्री को लिखित में की गई है. करीब 40 अवैध कॉलोनियों के खिलाफ शुजालपुर एसडीएम ने नोटिस जारी किया, लेकिन दो अवैध कॉलोनियों के संचालकों पर एफआईआर दर्ज की. बाकी लोगों को जुर्माना लगाकर छोड़ दिया. जबकि अपराध की श्रेणी में सभी अवैध कॉलोनी का मामला आता है.

गौरतलब है कि शुजालपुर अनुभाग के कालापीपल में शुजालपुर एसडीएम अर्चना कुमारी ने अवैध कॉलोनियों को लेकर नोटिस जारी किए. लेकिन मामले में सबसे आश्चर्यजनक यह है कि नोटिस जारी कर केवल दो लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है. बाकी लोगों पर 5 से 10 हजार का जुर्माना लगाकर उन्हें छोड़ दिया गया है. इस मामले में सबसे बड़ा तथ्य यह है कि जिन लोगों ने 100 से अधिक अवैध प्लॉट बेचे, उन्हें जुर्माना लगाकर छोड़ दिया गया और जिन लोगों ने 4 से 5 प्लॉट बेचे, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई. इस मामले में मोहित पिता रामभरोसे जाट ग्राम मगरानिया ने लिखित में शिकायत मुख्यमंत्री मोहन यादव और ईओडब्ल्यू भोपाल में दर्ज कराई है.

तीन दर्जन को नोटिस, दो पर एफआईआर, बाकी पर मेहरबानी

शुजालपुर एसडीएम अर्चना कुमारी की कार्यप्रणाली पर इसलिए भी सवाल उठ रहे हैं कि लगभग 40 अवैध कॉलोनाइजरों को नोटिस जारी किए गए हैं. जिनमें से केवल दो कॉलोनाइजरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है. बाकी लोगों को छोटा जुर्माना लगाकर क्लीन चिट दे दी गई है. सवाल यह उठता है कि जब अपराध एक जैसा, काम एक जैसा, तो बाकी अवैध कॉलोनाइजरों पर जुर्माने की कार्यवाही क्यों और सिर्फ दो के खिलाफ एफआईआर क्यों. ये वो नाम हैं, जिन्हें शुजालपुर एसडीएम ने नोटिस देकर केवल जुर्माना कर छोड़ दिया. राकेश पिता घनश्याम दास शर्मा, कालापीपल, कमल पिता घनश्याम कालापीपल, पवन पिता विष्णु दयाल कालापीपल, कल्याण दास दत्तक, विजय सिंह पिता रणजीत सिंह खिंची, रानी पति सुरेश कुमार, दिनेश कुमार पिता सोहनलाल जैन, ऋतु पति दिनेश, ममता बाई पति अशोक कुमार, राकेश पिता हेमराज, मुकेश शर्मा पिता घनश्याम शर्मा, रामनारायण कुंदन सिंह, गौरा बाई, चंदनसिंह, इमरत सिंह, राधाकिशन, कमल सिंह, विक्रम सिंह, अशोक कुमार पिता धन्नालाल, धन्नालाल पिता पूरणमल, राधेश्याम पिता शंकरलाल शर्मा, भारत सिंह पिता खुशीलाल, तनप्रीत सिंह पिता दलजीत सिंह, हेमराज पिता अनार सिंह, गजराज सिंह, दिनेश कुमार, वल्लभ भाई पिता गंगाप्रसाद पाटीदार, अनामिका पति अशोक कुमार जैन, नीना पति जयप्रकाश अग्रवाल, सोनिया पति सतीश अग्रवाल, माखन सिंह पिता फूलसिंह, गंगा बाई, राजेंद्र कुमार पिता तोलाराम, जीतमत पिता रामबख्श, शैलेष, लोकेश पिता हरिप्रसाद, दिलीप सिंह बावर सिंह, कुमेर सिंह, रतनसिंह, शुभम भारती पिता अशोक भारती, धर्मेंद्र पिता अजब सिंह गेहलोत, दिलीप सिंह, तेजसिंह.

क्या है पूरा मामला...?

मुख्यमंत्री से की गई शिकायत में शुजालपुर एसडीएम अर्चना कुमारी पर अवैध कॉलोनियों से अवैध वसूली और पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया है. शुजालपुर अनुभाग के कालापीपल में अवैध कॉलोनियों पर कार्यवाही के नाम पर करोड़ों रुपए की वसूली की गई है. पहले अवैध कॉलोनाइजरों को नोटिस दिए गए और जिन लोगों को सेटलमेंट हो गया, उन पर जुर्माना लगा दिया गया और जिन लोगों ने सेटलमेंट नहीं किया, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी गई. जिन कॉलोनाइजरों ने 100 से अधिक प्लॉट बेचे, उन पर महज 5 से 10 हजार का जुर्माना लगाया गया और जिन्होंने मात्र 5 से 6 प्लॉट बेचे, उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई. धर्मेंद्र पिता अजबसिंह को अवैध कॉलोनी के मामले में 25 नवंबर 2024 को नोटिस जारी किया गया और आरसीएम पर दर्ज कर प्रकरण कायम किया गया. उक्त प्रकरण को 11 मार्च 2025 को प्रथम बार आरसीएमएस पर दर्ज किया गया. एक दिन में ही याने अगले दिन 12 मार्च 2025 को समाप्त कर दिया. इसी प्रकार शुभम भारती पिता अशोक भारती में भी ऐसा ही किया गया. ज्ञात रहे राजस्व प्रकरणों के प्रकरण क्रमांक आरसीएमएस सॉफ्टवेयर द्वारा जनरेट किया जाता है. यदि प्रकरण 11 मार्च 2025 को दर्ज हुआ, तो 4 मार्च 2025 को जारी प्रकरण के आदेश में प्रकरण क्रमांक 267 कैसे दर्ज किया जा सकता है. शुजालपुर एसडीएम के पास ऐसा कौन सा जादुई शक्ति है कि आरसीएमएस प्रकरण क्रमांक कौन सा जनरेट होने वाला है, उन्हें पहले से पता हो. एसडीएम ने मप्र नगर पालिका कॉलोनी विकास निगम 2021 का हवाला देकर जो कार्यवाही की है, उसका अधिकार कलेक्टर के पास है. एसडीएम को ग्रामीण क्षेत्र में कार्यवाही करने का अधिकार नहीं है. लेकिन इसके बाद भी धर्मेंद्र पिता अजबसिंह और शुभम भारती के खिलाफ अवैध कॉलोनी के मामले में एफआईआर दर्ज कराई गई.

मुख्यमंत्री से की गई शिकायत, नहीं हुआ निराकरण

शुजालपुर एसडीएम अर्चना कुमारी के खिलाफ मोहित पिता रामभरोसे जाट ने 30 मई 2025 को मुख्यमंत्री मोहन यादव से लिखित शिकायत की थी. इस शिकायत के बाद भी आज तक एसडीएम के खिलाफ कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई और न ही उन अवैध कॉलोनाइजरों के खिलाफ कोई कार्यवाही हुई, जिन्हें केवल जुर्माना लगाकर छोड़ दिया गया. मुख्यमंत्री से की गई शिकायत के बाद शाजापुर कलेक्टर द्वारा शिकायतकर्ता को सूचना पत्र देकर 18 जून 2025 को बयान के लिए बुलवाया गया था. इस मामले को भी एक महीने से ऊपर हो गया है. अब देखना यह है कि मुख्यमंत्री से की गई शिकायत के मामले को जिला प्रशासन कितनी गंभीरता से लेता है और इस मामले में एसडीएम और अवैध कॉलोनाइजरों के खिलाफ क्या कार्यवाही होती है.

इनका कहना है

शुजालपुर एसडीएम द्वारा अवैध कॉलोनी से करोड़ों की वसूली के मामले में मेरे द्वारा ईओडब्ल्यू भोपाल व मप्र के मुख्यमंत्री को लिखित में शिकायत की गई है. मामले में निष्पक्ष जांच और कार्यवाही की उम्मीद है.

– मोहित पिता रामभरोसे जाट, शिकायतकर्ता, ग्राम मगरानिया, शुजालपुर

नियमानुसार कार्यवाही की गई है. जो लोग अवैध कॉलोनी काट रहे हैं. उनके खिलाफ भी कार्यवाही की जा रही है. शिकायत झूठी और निराधार है. जिन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, उनके खिलाफ तथ्य को देखते हुए की गई है. पूरे मामले की जांच की जा रही है. किसी भी हाल में कोई भी अवैध कॉलोनाइजर बख्शा नहीं जाएगा.

– अर्चना कुमारी, एसडीएम, शुजालपुर

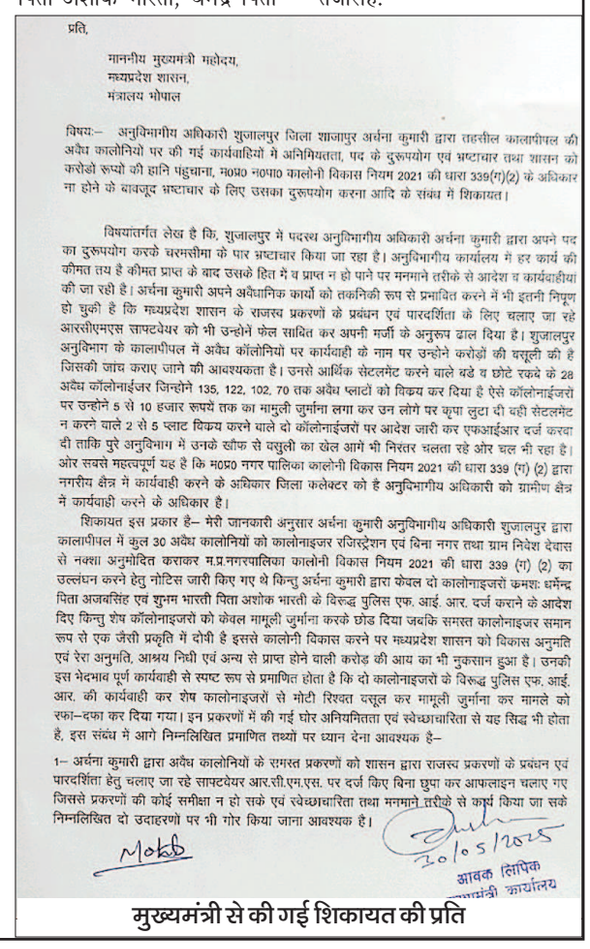

मुख्यमंत्री से की गई शिकायत की प्रति

प्रति,

माननीय मुख्यमंत्री महोदय,
मध्यप्रदेश शासन,
मंत्रालय भोपाल

विषयः— अनुविभागीय अधिकारी शुजालपुर जिला शाजापुर अर्चना कुमारी द्वारा तहसील कालापीपल की अवैध कालोनियों पर की गई कार्यवाहियों में अनियमितता, पद के दुरूपयोग एवं भ्रष्टाचार तथा शासन को करोड़ों रूपयों की हानि पंहुचाना, म0प्र0 न0पा0 कालोनी विकास नियम 2021 की धारा 339(ग)(2) के अधिकार ना होने के बावजूद भ्रष्टाचार के लिए उसका दुरूपयोग करना आदि के संबंध में शिकायत।

विषयांतर्गत लेख है कि, शुजालपुर में पदस्थ अनुविभागीय अधिकारी अर्चना कुमारी द्वारा अपने पद का दुरूपयोग करके चरमसीमा के पार भ्रष्टाचार किया जा रहा है। अनुविभागीय कार्यालय में हर कार्य की कीमत तय है कीमत प्राप्त के बाद उसके हित में व प्राप्त न हो पाने पर मनमाने तरीके से आदेश व कार्यवाहीयां की जा रही है। अर्चना कुमारी अपने अवैधानिक कार्यो को तकनिकी रूप से प्रमावित करने में भी इतनी निपूण हो चुकी है कि मध्यप्रदेश शासन के राजस्व प्रकरणों के प्रबंधन एवं पारदर्शिता के लिए चलाए जा रहे आरसीएमएस साफ्टवेयर को भी उन्होंने फेल साबित कर अपनी मर्जी के अनुरूप ढाल दिया है। शुजालपुर अनुविभाग के कालापीपल में अवैध कॉलोनियों पर कार्यवाही के नाम पर उन्होने करोड़ों की वसूली की है जिसकी जांच कराए जाने की आवश्यकता है। उनसे आर्थिक सेटलमेंट करने वाले बड़े व छोटे रुकवे के 28 अवैध कॉलोनाईजर जिन्होने 135, 122, 102, 70 तक अवैध प्लाटों को विक्रय कर दिया है ऐसे कॉलोनाईजरों पर उन्होने 5 से 10 हजार रूपयें तक का मामुली जुर्माना लगा कर उन लोगे पर कृपा लुटा दी वही सेटलमेंट न करने वाले 2 से 5 प्लाट विक्रय करने वाले दो कॉलोनाईजरों पर आदेश जारी कर एफआईआर दर्ज करवा दी ताकि पुरे अनुविभाग में उनके खौफ से वसुली का खेल आगे भी निरंतर चलता रहे ओर चल भी रहा है। ओर सबसे महत्वपूर्ण यह है कि म0प्र0 नगर पालिका कालोनी विकास नियम 2021 की धारा 339 (ग) (2) द्वारा नगरीय क्षेत्र में कार्यवाही करने के अधिकार जिला कलेक्टर को है अनुविभागीय अधिकारी को ग्रामीण क्षेत्र में कार्यवाही करने के अधिकार है।

शिकायत इस प्रकार है— मेरी जानकारी अनुसार अर्चना कुमारी अनुविभागीय अधिकारी शुजालपुर द्वारा कालापीपल में कुल 30 अवैध कालोनियों को कालोनाइजर रजिस्ट्रेशन एवं बिना नगर तथा ग्राम निवेश देवास से नक्शा अनुमोदित कराकर म.प्र.नगरपालिका कालोनी विकास नियम 2021 की धारा 339 (ग) (2) का उल्लंघन करने हेतु नोटिस जारी किए गए थे किन्तु अर्चना कुमारी द्वारा केवल दो कालोनाइजरों कमशः धर्मेन्द्र पिता अजबसिंह एवं शुभम भारती पिता अशोक भारती के विरूद्ध पुलिस एफ. आई. आर. दर्ज कराने के आदेश दिए किन्तु शेष कॉलोनाइजरों को केवल मामूली जुर्माना करके छोड दिया जबकि समस्त कालोनाइजर समान रूप से एक जैसी प्रकृति में दोषी है इससे कालोनी विकास करने पर मध्यप्रदेश शासन को विकास अनुमति एवं रेरा अनुमति, आश्रय निधी एवं अन्य से प्राप्त होने वाली करोड़ की आय का भी नुकसान हुआ है। उनकी इस भेदभाव पूर्ण कार्यवाही से स्पष्ट रूप से प्रमाणित होता है कि दो कालोनाइजरों के विरूद्ध पुलिस एफ. आई. आर. की कार्यवाही कर शेष कालोनाइजरों से मोटी रिश्वत वसूल कर मामूली जुर्माना कर मामले को रफा—दफा कर दिया गया। इन प्रकरणों में की गई घोर अनियमितता एवं स्वेच्छाचारिता से यह सिद्ध भी होता है, इस संबंध में आगे निम्नलिखित प्रमाणित तथ्यों पर ध्यान देना आवश्यक है—

1— अर्चना कुमारी द्वारा अवैध कालोनियों के समस्त प्रकरणों को शासन द्वारा राजस्व प्रकरणों के प्रबंधन एवं पारदर्शिता हेतु चलाए जा रहे साफ्टवेयर आर.सी.एम.एस. पर दर्ज किए बिना छुपा कर आफलाइन चलाए गए जिससे प्रकरणों की कोई समीक्षा न हो सके एवं स्वेच्छाचारिता तथा मनमाने तरीके से कार्य किया जा सके निम्नलिखित दो उदाहरणों पर भी गोर किया जाना आवश्यक है।

Mokb

30/05/2025

आवक लिपिक
मुख्यमंत्री कार्यालय

एक नजर में

26वॉ कारगिल विजय दिवस मनाया गया

शाजापुर, 26 जुलाई. प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस बीकेएसएन गवर्नमेंट कॉलेज में कारगिल विजय दिवस की 26वी वर्षगांठ मनाई गई. इस अवसर पर महाविद्यालय के स्टॉफएवं एनसीसी कैडेट्स द्वारा मोमबत्ती जलाकर एवं पुष्प अर्पित कर कारगिल में शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई. एनसीसी कैडेट्स शगुन शर्मा एवं शिवानी द्वारा देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए गए. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वीपी मीणा ने कहा कि हर नागरिक को अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए यही सबसे बडा राष्ट्र धर्म है. इस अवसर पर प्रो. मीनू गिडवानी, डॉ. दिनेश निंगवाल, डॉ. बीके सोलंकी, डॉ. बीएल मालवीय एवं प्रो. प्रकाश बर्फ द्वारा भी कारगिल युद्ध एवं भारत की विजय के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त किये और एनसीसी कैडेट्स को देशभक्ति के लिए प्रेरित किया. इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स एवं महाविद्यालय का स्टॉफ उपस्थित था. कार्यक्रम का संचालन डॉ. वीपी मीणा ने किया.

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधारोपण

सुसनेर, 26 जुलाई. स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. जीसी गुप्ता की अध्यक्षता में न्यायालय के अतिरिक्त जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश अखिलेश कुमार धाकड़, व्यवहार न्यायाधीश अरुंधति परस्ते एवं व्यवहार न्यायाधीश वंशिका गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में महाविद्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत कॉलेज के विद्यार्थी, शैक्षणिक एवं कार्यालयीन स्टॉफ ने 20 पौधें लगाए. पर्यावरण जागरूकता पंच-ज जल, जंगल, जमीन, जन और जानवर प्रकृति की रक्षा हेतु विधिक सेवा एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वावधान में पौधें लगाए गए. इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं समस्त स्टॉफसदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया.

कल निकलेगी कावड व कलश यात्रा

सुसनेर, 26 जुलाई. श्रावण के तीसरे सोमवार पर 28 जुलाई को मेला ग्राउंड स्थित नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर से मोरूखेडी स्थित नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर तक कावड व कलश यात्रा निकाली जाएगी. इसके सूत्रधार मोहनसिंह गुंदलावदा ने जानकारी देते हुए बताया कि क्षेत्रवासियों की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना को लेकर यह यात्रा निकाली जा रही है. जिसमें अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील क्षेत्रवासियों से की जा रही है. यात्रा के समापन के पश्चात श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी का भी आयोजन किया जाएगा. इसको लेकर आयोजक समिति की गत दिवस मोरूखेडी के शिव मंदिर पर बैठक भी सम्पन्न हुई है.

सांदीपनि विद्यालय में कारगिल विजय दिवस मनाया

नलखेड़ा, 26 जुलाई. सांदीपनि विद्यालय नलखेड़ा में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर भारत माता के वीर सपूतों की शहादत को नमन किया गया. प्रार्थना सभा के दौरान कारगिल विजय के वीर शहीदों को विद्यालय की छात्राओं एवं शिक्षक शिक्षिकाओ द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गई. विद्यालय प्राचार्य मनोज चतुर्वेदी ने कारगिल युद्ध एवं ऑपरेशन विजय के बारे में छात्राओं को बताया. उप प्राचार्य शांतिलाल राठौर ने बताया कि कारगिल युद्ध में भारतीय सेना के अदम्य शौर्य एवं साहस ने दुश्मनों की सेना को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया. गतिविधि प्रभारी मुकेश चौरसिया ने कारगिल विजय के हीरो कैप्टन विक्रम बत्रा, रायफल मैन संजय कुमार, कैप्टन मनोज कुमार पांडे, ग्रेनेडियर योगेंद्र सिंह यादव के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह दिवस भारत माता के उन वीर सपूतों के साहस और शौर्य का स्मरण कराता है. जिन्होंने देश के आत्म सम्मान की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया. आओ झूक कर करे प्रणाम जिनके हिस्से में ये मुकाम आता है. खुशनसीब होता है वो लहू जो देश के काम आता है. प्रार्थना सभा के अंत में उन्होंने देशभक्ति गीत हर करम अपना करेंगे ए वतन तेरे लिए. दिल दिया है जान भी देंगे ए वतन तेरे लिए. प्रस्तुत किया जिसे सभी छात्राओं ने दोहराया.

जान जोखिम में डालकर उफनती कंठाल नदी को पार कर रहे लोग

सुसनेर, 26 जुलाई. शनिवार की अलसुबह सुबह हुई झमाझम बारिश ने इस वर्षा ऋतु में पहली बार कंठाल नदी को उफान पर आ गई. इसके चलते सुबह 10 बजे के लगभग मेला ग्राउंड क्षेत्र में नदी पर बनी नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर की और जाने वाली पुलिया पर पानी होने के कारण आवागमन बंद हो गया.

ऐसे में दोनो छोर पर लोग पानी के तेज बहाव का कम होने का इंतजार करते रहे. वहीं कुछ लोग अपनी जान को जोखिम में डालकर कर नदी को पार करते रहे. बामनियाखेड़ी मार्ग की पुलिया के समीप बना महादेव घाट भी जलमग्न हो गया. स्थानीय प्रशासन के द्वारा लगाए गए बेरिकेड्स कुछ देर तक तो पुलिया के किनारे ही रखे रहें, उसके बाद सूचना मिलने पर नगर परिषद के कर्मचारियों ने आवागमन बंद करने बेरिकेड्स तैनात किए. साथ ही कर्मचारियों ने नीलकंठेश्वर नदी की पुलिया पर फंसे हुए कचरे को भी हटाने का कार्य किया, लेकिन उसके बाद भी पुलिया पर नदी का तेज बहाव कम नही हुआ. वहीं प्रशासन के आकड़ो के अनुसार शनिवार तक 306 मिली मीटर यानि के अभी तक 12.24 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी है.

दुकान से तेल की कैन चुराने वाला आरोपी पकड़ाया

सोयतकलां, 26 जुलाई. नगर की बस स्टैंड की किराना दुकान से रिफाइंड तेल की कैन चोरी करने वाले अज्ञात आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है. थाना प्रभारी रामगोपाल वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि 17 अगस्त को बस स्टैंड पर किराना दुकान संचालित करने वाले प्रियांश शर्मा ने पुलिस थाने आकर रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि उनकी दुकान पर रखी रिफाइंड तेल की दो कैन अज्ञात चोर चोरी कर ले गया. मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर पतारसी हेतु एक टीम का गठन किया. टीम ने मुखबिर की सूचना पर जतिन पिता दिलीप माली उम्र 25 वर्ष निवासी सुसनेर को गिरफ्तार कर पूछताछ की. आरोपी ने रिफाइंड तेल की चोरी करना कबुल किया. पुलिस ने आरोपी के कब्जे से दो तेल की कैन बरामद की.

सांदीपनि विद्यालय में लोक तांत्रिक प्रक्रिया से बाल संसद का हुआ गठन

सुसनेर, 26 जुलाई. सांदीपनि विद्यालय के माध्यमिक विंग में बच्चों में नेतृत्व शक्ति, जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक मूल्यों को विकसित करने के लिए लोकतांत्रिक प्रक्रिया से बैलट पेपर के द्वारा मतदान कर, बाल संसद का गठन किया गया.

जिसमें कक्षा 5 से कक्षा 8 तक के लगभग 250 विद्यार्थियों ने मतदान में भाग लिया. प्रधानमंत्री पद के लिए 8, उप प्रधानमंत्री पद के लिए 8, शिक्षा मंत्री पद के लिए 11, खेल मंत्री पद के लिए 20, कानून एवं अनुशासन मंत्री पद के लिए 20, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता मंत्री पद के लिए 12, संस्कृति एवं पुस्तकालय मंत्री पद के लिए 7 प्रत्याशियों ने भाग लिया. जिसमें प्रधानमंत्री पद के लिए कुमारी देवकन्या पिता बद्रीलाल, उप प्रधानमंत्री पद के लिए कुमारी सुनीता पिता जोरावर सिंह, शिक्षा मंत्री पद के लिए कुमारी लक्ष्मी पिता दिलीप, कानून मंत्री के लिए कुमारी तुलसी पिता रवि कुमार, अनुशासन मंत्री के लिए कुमारी शिवानी पिता बाबूलाल, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता मंत्री पद के लिए कुमारी साबिया पिता इकराम, खेल मंत्री पद के लिए मनीष पिता विष्णु प्रसाद, संस्कृति एवं पुस्तकालय मंत्री पद के लिए कुमारी मनीषा पिता मेहरबान विजय विजय हुए. सभी विजय उम्मीदवारों को 28 जुलाई 2025 को शपथ ग्रहण प्राचार्य सांदीपनि विद्यालय के द्वारा कराई जाएगी.

संयुक्त दल ने की कार्यवाही

शाजापुर, 26 जुलाई. कलेक्टर के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा कार्यवाही की. जिसमें में गुलाना में सुबराती दूध डेयरी, अहिल किराना तथा मां जगदंबा रेस्टोरेंट पर खाद्य सुरक्षा एवं राजस्व विभाग के संयुक्त दल के साथ निरीक्षण कर घी, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, आमचूर, नमक, रेड चिल्ली सॉस एवं मावा सहित कुल 10 सैंपल लेकर जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं. खाद्य सुरक्षा विभाग के दल द्वारा फूड लाइसेंस के साथ फूड सेफ्टी डिस्प्ले बोर्ड भी लगाने, साफ-सफाई रखने, खाद्य सामग्री ढंक कर रखने, ढक्कन युक्त डस्टबिन का उपयोग करने जैसे सुधार के लिए नोटिस दिया.

नशे से दूर रहकर समाज को सकारात्मक संदेश दें : डीआईजी

मक्सी, 26 जुलाई. शनिवार सुबह 10 बजे थाना मक्सी क्षेत्र स्थित मुरलीधर कृपा हॉस्पिटल में उज्जैन रेंज के डीआईजी नवनीत भसीन ने नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत हस्ताक्षर अभियान को आगे बढ़ाया. इस अवसर पर डीआईजी नवनीत भसीन ने हॉस्पिटल स्टाफ व उपस्थित आमजनों को नशे से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से बताया तथा नशा छोड़ने हेतु सभी से अपील की.

डीआईजी नवनीत भसीन ने विशेष रूप से युवा पीढ़ी को संबोधित करते हुए कहा कि नशा एक धीमा ज़हर है, जो जीवन को अंधकार की ओर ले जाता है. उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और समाज में सकारात्मक योगदान देने की प्रेरणा दी. इस अवसर पर थाना प्रभारी भीम सिंह पटेल अपने दल बल के साथ मौजूद रहे. थाना प्रभारी द्वारा जानकारी दी गई कि अब तक नशा मुक्ति अभियान के तहत बैनर पर लगभग 660 आमजनों के हस्ताक्षर लिए जा चुके हैं.

कार्यक्रम के दौरान मुरलीधर कृपा हॉस्पिटल के चेयरमैन महावीर प्रसाद मानसिंगका ने डीआईजी नवनीत भसीन का पुष्पमाला से स्वागत किया. इस अवसर पर दिनेश यादव, दिलीप भावसार, देवेश मिश्रा, जितेंद्र मेहता, रूपेश पांचाल, हॉस्पिटल स्टाफ तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे.

एक नजर में

पर्यावरण संरक्षण एवं अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने शहर के युवा ने शुरू की पहल

गाय के गोबर से बनाई पूजा सामग्री, खेड़ापति हनुमान मंदिर में की भेंट की

सुसनेर, 26 जुलाई. गाय के गोबर को धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है. और इसका उपयोग प्राचीन काल से ही धार्मिक अनुष्ठानों में किया जाता रहा है. यह माना जाता है कि गाय के गोबर में लक्ष्मीजी का वास होता है, और इसका उपयोग वातावरण को शुद्ध करने और सकारात्मक ऊर्जा लाने के लिए किया जाता है.

गाय के गोबर से बनी धार्मिक वस्तुओं का उपयोग न केवल धार्मिक उद्देश्यों के लिए किया जाता है, बल्कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार का भी एक साधन बन गया है. और इसी दिशा में कदम बढ़ाते हुए गाय को अर्थव्यवस्था से जोड़ने की दिशा में एक छोटा सा प्रयास सुसनेर में जामुनिया रोड निवासी राकेश उर्फ पप्पु वेद्यराज शर्मा के द्वारा अनुठी पहल की शुरूआत की गई है. जिसके अंतर्गत वे अपने फार्म हाऊस पर विगत 2 सालों से गाय के गोबर से

कई सारी धार्मिक वस्तुएं बना रहे है. जिनका उपयोग पूजन सामग्री में भी किया जा रहा है. इसी के चलते शनिवार को राकेश शर्मा ने क्षेत्रवासियों की आस्था के केन्द्र श्री खेडापति हनुमान मठ मंदिर में हनुमान जी की गधा व ग्रंथ रखने का स्टैंड, पूजा की थाली, ग्रंथ रखने का आधार और अन्य उपयोगी वस्तुएं शुभ मुहूर्त में भेंट की है. यह सारी सामग्री गोबर से निर्मित होने के साथ-साथ पर्यावरण के अनुकूल और स्वदेशी भावना से ओत-प्रोत थी. वैद्यराज राकेश पप्पू शर्मा ने बताया कि उनका उद्देश्य गाय आधारित उत्पादों को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है. उन्होंने इसे गाय को अर्थव्यवस्था से जोड़ने की दिशा में एक छोटा सा प्रयास भी बताया है. उनके द्वारा निर्मित यह सामग्री न सिर्फ धार्मिक महत्व रखती है, बल्कि यह ग्रामीण कारीगरों के लिए रोजगार का साधन भी बन सकती है. इस पहल की मंदिर समिति व स्थानीय श्रद्धालुओं ने सराहना की और इसे आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सकारात्मक कदम बताया. मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना कर गोबर से बनी सामग्री का शुभारंभ किया गया और श्रद्धालुओं ने स्वदेशी उत्पादों के उपयोग की प्रेरणा भी ली.